हादसा

बिना मुंडेर का कुआं बना मौत का कारण, 20 जून को शादी समारोह में शामिल होने घर से निकला था

बाइक सहित कुएं में गिरने से अधेड़ की मौत

चिल्हारी नवभारत 22 जून। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असोढ़ में सोमवार दोपहर एक कुएं से एक व्यक्ति का शव एवं उसकी बाइक बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कामता पटेल उम्र लगभग 58 वर्ष निवासी ग्राम चिमटा 20 जून को शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से अशोढ ग्राम जाने के लिए निकले थे, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। परिजनों द्वारा उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट अमरपुर चौकी में दर्ज कराई गई थी। सोमवार को ग्राम असोढ़ स्थित माटिहाई हार मे एक कुएं में बाइक और शव दिखाई देने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पंचनामा कार्रवाई पश्चात पुलिस मामले की कर रही जांच

घटना की जानकारी मिलते ही इंदवार थाना प्रभारी एवं अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना से परिजनों और क्षेत्र में शोक का माहौल है।

ब्लॉक कांग्रेस की किसान रैली आज

चिल्हारी नवभारत 22 जून। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मानपुर के अध्यक्ष उमाशंकर पटेल ने 23 जून को आयोजित होने वाली किसान रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं, किसान भाइयों एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि किसानों की खाद-बीज, डीजल-पेट्रोल, बिजली संकट एवं बढ़ती खेती लागत जैसी समस्याओं को लेकर 23 जून को प्रात: 11 बजे ग्रामीण खेल मैदान मानपुर से विशाल किसान रैली निकाली जाएगी, जो बस स्टैंड मानपुर पहुंचकर आमसभा में परिवर्तित होगी। इसके पश्चात किसानों की विभिन्न मांगों के संबंध में मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मानपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा।

लापता बालक का जंगल में मिला क्षत-विक्षत शव

घटना के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल

करंजिया नवभारत 22 जून। जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत ग्राम तरेरा में पांच दिनों से लापता एक बालक का क्षत-विक्षत शव जंगल में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह ग्राम तरेरा बिहिटोला के कुछ ग्रामीण जंगल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें रास्ते में एक बच्चे के शव के अंग अलग-अलग अवस्था में पड़े दिखाई दिए। घटना की सूचना तत्काल ग्रामीणों द्वारा पुलिस और वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान शव की पहचान ग्राम तरेरा निवासी इतिआर खान के पुत्र इमरान खान के रूप में की। परिजनों ने बताया कि इमरान पिछले पांच दिनों से लापता था, जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी।

पीएम रिपोर्ट के बाद हो सकेगा कारणों का खुलासा

सूचना मिलते ही पुलिस एवं वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। शव की स्थिति को देखते हुए मौत के कारणों को लेकर विभिन्न आशंकाएं जताई जा रही हैं, हालांकि पुलिस ने किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करंजिया भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

ब्यौहारी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स संघ तहसील इकाई ब्यौहारी द्वारा पेंशनर्स की विभिन्न लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। संघ के पदाधिकारियों ने शासन से पेंशनर्स की समस्याओं का शीघ्र समाधान किए जाने की मांग की। संघ द्वारा 10 जून 2026 को तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) को समाप्त करने, 32 माह एवं 27 माह के लंबित एरियर्स का भुगतान करने, 79 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पेंशनर्स की पेंशन में 20 प्रतिशत वृद्धि करने, सेवानिवृत्ति के बाद अर्जित अवकाश भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाने, मृत्यु उपरांत उपादान राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा आयुष्मान कार्ड एवं स्वास्थ्य बीमा योजना में पेंशनर्स के साथ हो रहे कथित भेदभाव को समाप्त करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

बावड़ी में जमी काई और गाद हटाई गई

बावड़ी उत्सव में श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

डिंडौरी, नवभारत 22 जून। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान एवं कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में गोरखपुर के ग्राम चन्दना स्थित आमाकोन्हा अमरकुंड (लालपुर) में जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण के तहत 'बावड़ी उत्सव कार्यक्रम' आयोजित किया गया।

विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्था चन्दना एवं नवांकुर संस्था गोपालपुर (लालपुर) के सदस्यों और ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान कर बावड़ी की सफाई की। बावड़ी में जमी काई और गाद हटाकर जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

शासन के प्रयासों के साथ स्वैच्छिक भागीदारी जरुरी

कार्यक्रम में जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान ने जल चौपाल के माध्यम से कहा कि बरसात से पहले गांवों की पुरानी जल संरचनाओं जैसे कुआं, बावड़ी और तालाबों का पुनर्जीवन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शासन के प्रयासों के साथ समाज की स्वैच्छिक भागीदारी और जनसहयोग से ही जल संरक्षण का उद्देश्य सफल होगा।

पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

विकासखंड समन्वयक भानूप्रताप मरावी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारी, ग्राम विकास समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हल्की बारिश में ही मुख्य मार्ग बना तालाब, राहगीर परेशान

बरसात से पहले ही चरमराई नगर परिषद की व्यवस्था

शहपुरा नवभारत 22 जून। नगर में बरसात का मौसम शुरू होने से पहले ही नगर परिषद की व्यवस्थाओं की पोल खुलती नजर आ रही है। मुख्य मार्ग पर बैंक ऑफ इंडिया के सामने हल्की बारिश के बाद सड़क जलमग्न हो गई, जिससे क्षेत्र तालाब जैसा दिखाई देने लगा। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शहपुरा नगर के मुख्य मार्ग पर बैंक ऑफ इंडिया के सामने सोमवार को हुई हल्की बारिश के बाद जलभराव की गंभीर समस्या देखने को मिली। सड़क पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ और कई दोपहिया वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

जल निकासी की उचित योजना नहीं

स्थानीय लोगों का आरोप है कि डिवाइडर निर्माण और जल निकासी की उचित योजना नहीं होने के कारण हर बारिश में यह स्थिति निर्मित हो रही है। नगरवासियों का कहना है कि अभी तो यह केवल बेमौसम बारिश है, यदि मानसून के दौरान लगातार वर्षा हुई तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

कई बार शिकायतों के बावजूद नहीं जागे अधिकारी

लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। स्थानीय नागरिकों में नगर परिषद के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी समस्या की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

नगरवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई और समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल हल्की बारिश में ही नगर की सड़कों पर जलभराव की स्थिति ने नगर परिषद की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन और नगर परिषद इस समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाते हैं।

बरगांव की शिवानी साहू राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित

दीक्षांत समारोह में हासिल किए दो स्वर्ण पदक, हिंदी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला सम्मान

शहपुरा नवभारत 22 जून। प्रतिभा, परिश्रम और लगन का संगम जब सफलता का रूप लेता है, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिला जब डिण्डौरी जिले के शहपुरा जनपद अंतर्गत ग्राम बरगांव की होनहार छात्रा शिवानी साहू को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों दो स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के 36वें दीक्षांत समारोह में उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया गया। शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा की छात्रा शिवानी साहू ने हिंदी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दोहरी उपलब्धि हासिल की। उन्हें पहला स्वर्ण पदक स्नातक स्तर पर हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने तथा दूसरा स्वर्ण पदक हिंदी साहित्य में प्रथम श्रेणी के साथ सर्वोच्च अंक अर्जित करने पर प्रदान किया गया।

जिले का नाम किया गौरवान्वित

एक ही समारोह में दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर शिवानी ने न केवल अपने महाविद्यालय बल्कि पूरे डिण्डौरी जिले का नाम गौरवान्वित किया है। जबलपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के कुल 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें शिवानी साहू का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

हजारों बेटियों के लिए बनी प्रेरणा

ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होना शिवानी साहू की असाधारण उपलब्धि है। उनकी यह सफलता साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और शिक्षा के प्रति समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शिवानी साहू आज जिले की हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं।

सप्त दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन

शहडोल। महाकौशल वनांचल शिक्षा सेवा न्यास, जिला शहडोल द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शनिवार को गरिमामय वातावरण में समापन हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में शहडोल एवं उमरिया जिलों के आचार्य एवं दीदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिला समन्वयक मनीष कुमार सोनी ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग का मुख्य उद्देश्य आचार्यों एवं दीदियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना तथा उन्हें शिक्षा के साथ संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ना था। सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को शारीरिक शिक्षा, बौद्धिक चिंतन, आध्यात्मिक जीवन मूल्यों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धति का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

डीजल-पेट्रोल संकट गहराया, किसान परेशान

मानपुर जनपद क्षेत्र में वाहन चालकों की चिंता बढ़ी

चिल्हारी नवभारत 22 जून। मानपुर जनपद क्षेत्र में इन दिनों डीजल एवं पेट्रोल की गंभीर समस्या ने आमजन और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र की अधिकांश आबादी कृषि पर आधारित है और आगामी दिनों में खेती-किसानी का कार्य तेज होने वाला है। ऐसे समय में ईंधन की कमी किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है।

जानकारी के अनुसार मानपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित होने से किसानों को अपने कृषि कार्यों के संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों की जुताई, बुवाई, सिंचाई और कृषि यंत्रों के संचालन के लिए डीजल की आवश्यकता होती है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में ईंधन नहीं मिलने से किसान चिंतित नजर आ रहे हैं।

खेती का कार्य हो सकता है प्रभावित

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में कृषि ही आजीविका का प्रमुख साधन है। बारिश का मौसम शुरू होने वाला है और किसान खेती की तैयारियों में जुटे हुए हैं। ट्रैक्टर, पंपसेट और अन्य कृषि उपकरण डीजल पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि समय पर डीजल उपलब्ध नहीं हुआ

तो खेती का कार्य प्रभावित हो सकता है, जिसका सीधा असर किसानों की आय और उत्पादन पर पड़ेगा।

पेट्रोल पंपों पर घंटों करना पड़ रहा इंतजार

दूसरी ओर पेट्रोल की कमी से आम नागरिकों को भी रोजमर्रा के कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल कॉलेज जाने वाले छात्र, नौकरीपेशा लोग, छोटे व्यापारी और ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोग ईंधन संकट के कारण प्रभावित हो रहे हैं। कई लोगों को पेट्रोल पंपों पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि कुछ स्थानों पर सीमित मात्रा में ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है।

गाय पर हमला करने वाले आरोपी की अब तक गिरफ्तारी नहीं

फरियादी ने एसपी से लगाई गुहार

नवभारत, ब्यौहारी। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पसगड़ी में गाय पर कथित रूप से कुल्हाड़ी से हमला करने के मामले में अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से फरियादी ने नाराजगी जताई है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।ग्राम पसगड़ी निवासी सुभाष कुमार मिश्रा ने बताया कि 12 जून 2026 को शाम लगभग 5 बजे उनकी गाय रस्सी तोड़कर दद्दन वैश्य के खेत में चली गई थी। आरोप है कि खेत से गाय को भगाने के बजाय दद्दन वैश्य ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे गाय के कान और पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित ने 12 जून को ही थाना ब्यौहारी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 325 एवं 352 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

फरियादी का आरोप है कि मामला दर्ज होने के कई दिन बाद भी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। उनका कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से क्षेत्र में भय का माहौल है और भविष्य में वह पुन: ऐसी घटना को अंजाम दे सकता है।पीड़ित सुभाष कुमार मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक से मामले में हस्तक्षेप करते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है। पुलिस का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

विवाद

जय अंबे कंपनी पर बाहरी लोगों को प्राथमिकता देने के आरोप,विरोध के कारण कोयला उत्पादन पर पड़ रहा असर

रामपुर ओपन कास्ट में स्थानीय रोजगार का मुद्दा गरमाया

नवभारत, धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया की सबसे बड़ी रामपुर ओपन कास्ट परियोजना इन दिनों स्थानीय रोजगार के मुद्दे को लेकर विवाद के केंद्र में है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि जब भी किसी बड़े औद्योगिक या खनन कार्य के लिए निजी कंपनियों को ठेका दिया जाता है, तब स्थानीय युवाओं और प्रभावित परिवारों को रोजगार देने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई दे रही है। यही कारण है कि रामपुर ओपन कास्ट में कार्यरत जय अंबे कंपनी के खिलाफ स्थानीय लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

जानकारी अनुसार, एसईसीएल द्वारा लगभग 3200 करोड़ रुपये का 10 वर्षीय ठेका जय अंबे कंपनी को दिया गया है। कंपनी को खदान में कोयला उत्खनन व ओ, बी,वर्डन के कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद थी, लेकिन

कंपनी ने भर्ती प्रक्रिया में स्थानीय बेरोजगारों की अपेक्षा बाहरी लोगों को अधिक अवसर दिए हैं। इससे क्षेत्र के युवाओं और प्रभावित परिवारों में गहरी नाराजगी व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का आरोप है कि कंपनी द्वारा रोजगार देने में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। उनका कहना है कि जिन परिवारों की जमीन और संसाधन खनन परियोजना से प्रभावित हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। इसके विपरीत बाहरी श्रमिकों और कर्मचारियों की नियुक्ति से स्थानीय लोगों में उपेक्षा की भावना बढ़ी है। पिछले कुछ महीनों से इस मुद्दे को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन, ज्ञापन और आंदोलन भी किए जा चुके हैं।

त्रिपाठी व तिवारी पर भर्ती प्रक्रिया में लेनदेन का लगता रहा है आरोप

इस पूरे मामले में जय अंबे कंपनी प्रबंधन के संचालक त्रिपाठी व तिवारी नामक संचालन करता पर शुरू से भर्ती प्रक्रिया में लेनदेन की चर्चा क्षेत्र में होती रही है कई लोगों ने बताया कि भर्ती के नाम पर त्रिपाठी व तिवारी द्वारा 50 हजार 70000 रुपए तक लेने का आरोप कई बेरोजगारों ने उठाया इसी लेनदेन के कारण कुछ समय पूर्व कंपनी प्रबंधन व स्थानीय लोगों के साथ मारपीट की घटना घटित हो चुकी जिसकी चर्चा भी बहुत हुई जिसका मामला थाना वी काली प्रबंधन तक पहुंच चुका था मामले की गंभीरता को देखते हुए कंपनी द्वारा भर्ती प्रक्रिया बंद करने की नोटिस भी चश्मा कर दी गई जिसके परिणाम स्वरूप कंपनी प्रबंधन के संचालक तिवारी जी को आनन फानन मे कहीं दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया जिससे लेनदेन का मामला ठंडे बस्ते में चला जाए लेकिन सबसे बड़ा सवाल त्रिपाठी के भूमिका पर उठता रहा है जो शुरू से ही विवादों के केंद्र में रहे हैं अगर कालरी प्रबंधन व प्रशासन की इसकी निष्पक्ष जांच करें तो भर्ती प्रक्रिया की लेनदेन की पूरी कहानी सामने आ जाएगी स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी निजी कंपनी द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है और स्थानीय हित प्रभावित हो रहे हैं, तो प्रशासन को हस्तक्षेप कर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन अब तक इस दिशा में कोई प्रभावी कदम उठाया जाता हुआ दिखाई नहीं दिया है। यही वजह है कि लोगों में असंतोष लगातार बढ़ रहा है।

दूसरी ओर, एसईसीएल प्रबंधन की प्राथमिक चिंता कोयला उत्पादन और उत्पादन लक्ष्य को पूरा करना माना जा रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि रोजगार और सामाजिक दायित्वों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि यदि स्थानीय युवाओं को रोजगार में उचित अवसर दिए जाएं तो कंपनी और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकता है। रामपुर ओपन कास्ट में रोजगार को लेकर जारी विवाद अब एक बड़े विवाद का केंद्र बन चुका है लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का असर कोयला उत्पादन पर भी देखने को मिल रहा है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि कंपनी, प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन मिलकर स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान निकालें, ताकि क्षेत्र में विकास और रोजगार दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।